Title: Need to send a Central Team to explore the possibilities of development of tourism in Bilaspur, Himachal Pradesh. - Laid.

श्री सुरेश चन्देल (हमीरपुर, हि.प्र.) : उपाध्यक्ष महोदय, पनविद्युत पैदा करने तथा देश में विद्युत की मांग की आपूर्ति हेतु भाखड़ा बांध का निर्माण आज से वर्षों पूर्व हुआ जिसमें मेरे ग़ृह जिला बिलासपुर के अनेक गांव तथा बिलासपुर शहर उजड गया और उजड़े हुए लोगों को पुनर्वासित करने हेतु भारत सरकार ने जो वायदे किए वे आज तक पूरे नहीं हुए। बिलासपुर में गोविन्द सागर झील एक महत्वपूर्ण स्थल है, लेकिन उसका भी पर्यटन की दृष्टि से विकास नहीं किया गया। बिलासपुर शहर में एक भी सार्वजनिक पार्क न होने के कारण लोगों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। गोविन्द सागर झील के पर्यटन की दृष्टि से सौंदर्यीकरण हेतु जल पर आधारित अनेक प्रकार के खेल जैसे नौकायन, वाटर स्केटिंग आदि तथा झील के सौदर्यीकरण की दृष्टि से विकास की अपार संभावनाएं हैं। वहां आर्टीफीशियल लेक का निर्माण किया जा सकता है। इससे जहां एक ओर स्थल का विकास एवं स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेगा, वहीं दूसरी ओर पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा तथा भारत सरकार को विदेशी मुद्रा भी मिलेगा। प्रदेश सरकार ने इस दृष्टि से मंत्रालय को विस्तृत एवं पूर्ण प्रस्ताव प्रेषित किया है, लेकिन सरकार ने उसे लो प्रायर्टी पर रखा है।

मेरा आग्रह है कि हिमाचल प्रदेश के जिला मुख्यालय बिलासपुर में पर्टटन को बढ़ावा देने एवं स्थानीय लोगों को एक सार्वजनिक पार्क की सुविधा प्रदान करने हेतु एक पार्क बनाया जाए एवं जल-क्रीड़ा को विकसित करने हेतु पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से एक सर्वेक्षण टीम भेजी जाए जो गोबिन्द सागर झील में विभिन्न प्रकार की जल-क्रीड़ाओं के विकास एवं इसके सौंदर्यीकरण को बढ़ाने तथा कृत्रिम झील बनाने की संभावनाओं का पता लगाए तथा अध्ययन करे और इस बारे में एक विस्तृत रिपोर्ट मंत्रालय को दे।